चरवाहों की पुकार !!

IYRP 2026 INTERNATIONAL YEAR OF RANGELANDS AND PASTORALISTS 2026

ज्ञान विज्ञान का ज़माना है भाई, सुधर जाओ लोग कहते हैं,
कितना चलोगे ? कब तक चलोगे पुराने विचार पर, हमसे पूछा करते हैं,
तो सुनो.....

माना हम हैं विमुक्त, घुमन्तु चरवाहे, चलते नित्य पर्यन्त,
संरक्षित करते चारागाह, पशुधन, मनाते पर्व अनंत,
हम हैं अलबेले मतवाले, अपनी धुन के निराले,
सुबह शाम हो या हो दोपहरी, जंतु जगत के हम सजग हैं प्रहरी,
सूरज की आभा में सोने से चमकते, और रात में चाँदनी से छिटकते ॥

कितना अतुल्य एवं उत्कृष्ट है अपना भारत वर्ष,
देख यहाँ की जैवविविधता होता कितना हर्ष,
गऊ की गूँज है गाँव गाँव, बैल, भैंस की है खेतों में ठाँव,
भेड़ बकरी की चाल निराली, दूध, ऊन, माँस है देने वाली,
ऊँट है रेगिस्तान का जहाज, मैदान में है घोड़ों की टाप,
पर्वत पर गर्दभ के सुर, दूध में इनके विशेष हैं गुण,
प्रत्येक प्रजाति सुनाती अपना किस्सा,
इनकी हर एक नस्ल है जीवन का हिस्सा ॥

उन्नत भारत के प्रगतिशील युवा, तुम बैठे सुख की छाँव में,
बनाते योजनाएँ पशुधन की, ऊँची-ऊँची अट्टालिकाओं में,
गंभीर चिंतन जलवायु परिवर्तन का,
पशुओं के संरक्षण, संवर्धन का,
चिंता ना करो !

हम सचेत हैं पहले से, भविष्य के सृजन निर्माण में,
सदियों से यही तो कर रहे, बैठे पेड़ों की छाँव में ॥
जलवायु को हमने ही बदलते देखा, हमारे हर पशु में गुण है एक अनोखा,
समय रहते संभल जाओ, तुम भी हमको अपनाओ,
तुम भी हमको अपनाओ.....

डॉ. रेखा शर्मा, शालिनी यादव, डॉ. सुषमा प्रसाद, डॉ. सोनिका अहलावत,
डॉ. रीना अरोड़ा, डॉ. मोहन एन एच

कृषि जैव विविधता पर कंसोर्सिया अनुसंधान परियोजना
भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल